तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .3 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 23 जून, 2025

9 गुरुकुल कुंभाखेड़ा में चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

10 हिसार के चारों ओर रिंग रोड बनाने की प्रक्रिया पूरी

खबर संक्षेप

कुलदीप आज आदमपुर में सुनेंगे समस्याएं

आदमपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई सोमवार 23 जून को सुबह 11.15 बजे आदमपुर स्थित अपने आवास पर हलकावासियों की समस्याएं सुनेंगे। इस दौरान वे अधिकारियों से बातचीत करके समस्याओं को दूर करवाने का प्रयास करेंगे। इसके उपरांत हलके में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेंगे तथा अपनों के सुख-दुख में शिरकत करेंगे। सांय 5 बजे हिसार आवास पर लोगों से मुलाकात करेंगे।

इन्द्र राज धुंधवाल बने हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष

हिसार। हिसार निवासी इन्द्र राज धुंधवाल चुली बागडियान को वाल्मीकि महापंचायत सम्पूर्ण भारत के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त कर जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में वाल्मीकि महापंचायत सम्पूर्ण भारत भोपाल मध्यप्रदेश मुख्यालय द्वारा पत्र जारी किया है। अपनी नियुक्ति पर इन्द्र राज धुंधवाल ने बताया कि वे अपनी जिम्मेवारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। इससे पूर्व वे कई सामाजिक सगठनों में कार्यरत रहे हैं और 36 बिरादरी के हित के लिए काम करते रहे हैं। यह एक गैर राजनीतिक संगठन है।

इन्द्र राज धुंधवाल

नक्षत्र प्रदेशाध्यक्ष और संजीव महासचिव बने

हिसार। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन का 25 वें राष्ट्रीय अधिवेशन 14 व 15 जून को मध्य प्रदेश के उज्जैन में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला ने हिसार के बालसमंद रोड स्थित प्रोफेसर कालोनी निवासी नक्षत्र सिंह सोहल को प्रदेशाध्यक्ष तथा अर्बन इस्टेट दो निवासी संजीव कुमार गुप्ता को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। नक्षत्र सिंह सोहल और प्रदेश महासचिव संजीव कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला का आभार व्यक्त किया है।

नक्षत्र सिंह सोहल

संजीव कुमार गुप्ता

हकृवि में छात्रों का ब्रेनवॉश कर रहे विपक्षी नहीं चाहते उनका भला : कमेटी

■ मंत्रियों पर आधारित कमेटी ने दिया बातचीत का ब्यौरा, छात्र सहमत होते लेकिन धरने पर जाकर मुकर जाते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे आंदोलन को लेकर हरियाणा सरकार द्वारा गठित की गई मंत्रियों और विधायक की कमेटी ने लगातार दूसरे दिन छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस घटना को लेकर सरकार संवेदनशील और चिंतित है। कहा कि विपक्ष के लोग छात्रों का ब्रेनवॉश कर रहे हैं, वे छात्रों का भला नहीं चाहते। घटना के तुरंत बाद विश्वविद्यालय से रिपोर्ट तलब की गई थी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने छात्रों को मांगे मानने का आश्वासन दिया। नलवा विधायक रणधीर पनिहार भी धरनास्थल पर गए और विद्यार्थियों ने जो भी मांगे रखी थी वह पूरी कर दी गई थी। इन मांगों में पेपर पोस्टपोन करने, आरोपी प्राध्यापक को गिरफ्तार करने, इलाज का खर्च देने जैसी मांगे मान ली गई थी, लेकिन उसके बाद लगातार मांगे जुड़ती गई। सरकार ने इसके बाद भी संजीदगी दिखाई और तीन कैबिनेट मंत्री और एक विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारियों की कमेटी गठित की, किसी आंदोलन को लेकर पहली बार ऐसा हुआ। कमेटी ने लगातार दो दिन तक छात्रों से उनकी मांगों के संदर्भ में बात की। कुल आठ मांग रखी गई, सभी मांगे मान ली गई। जो मांगे स्थानीय स्तर की थी उन्हें तुरंत प्रभाव से माने जाने की बात कही गई और यह भी कहा गया कि अगले एक घंटे से ही आपकी मांगों का समाधान होता दिख जाएगा। जो मांगे संविधान, विधि और कानून के अनुसार हल होने की है, उन्हें उसी अनुसार हल किया जाएगा। कुछ छात्र सहमत भी हो रहे थे लेकिन जैसे ही वह धरने पर अंतिम निर्णय लेने के लिए जाते, वहां उनका मन बदल जाता क्योंकि वहां बैठे विपक्षी दलों के प्रतिनिधि उन्हें ऐसा करने से रोक देते।

अपना भविष्य देखें छात्र, विपक्षी भी देख रहे अपना भविष्य : ढांडा

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने छात्रों से कहा कि इस विश्वविद्यालय में परीक्षाएं पास करने के बाद ही आप भविष्य की पढ़ाई के लिए और अपने करियर के लिए अन्य विश्वविद्यालय में जाएंगे, जहां प्रवेश परीक्षाएं होनी है, कुछ बच्चों को नौकरी के इंटरव्यू देने होंगे, लेकिन आपकी डिग्री लेट होगी तो आपके भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगेगा क्योंकि अन्य विश्वविद्यालय समय नहीं देंगे। यहां तो आपको समय मिल सकता है। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि छात्रों की मंशा वर्तमान के धरने को खत्म करने की होनी चाहिए। आपकी मांगे मान ली गई है लेकिन यदि आपकी मंशा कुछ और है तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। जो लोग आपके धरने पर आ रहे हैं, उन्हें आपके करियर की परवाह नहीं बल्कि खुद के करियर की परवाह है। यदि आपको अपना भविष्य बनाना है तो आप किसी के हाथों को खिलौना मत बने।

हिसार। वार्ता की जानकारी देते कमेटी के सदस्य कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, कृष्ण बेदी एवं विधायक रणधीर पनिहार।

छात्र हितों के लिए एक और कमेटी बनाने को तैयार : बेदी

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि आज हम यहां जो भी बातचीत करके जाएंगे, इसकी जिम्मेवारी लेंगे कि वह हल हो। उन्होंने कहा कि वाइस चांसलर को हटाने की मांग पिछले विधानसभा सत्र में उठी थी, जो अब विद्यार्थियों के माध्यम से विश्वविद्यालय में उठाई जा रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत में कमेटी की ओर से विश्वविद्यालय में एक अन्य कमेटी गठित करने का निर्णय भी लिया गया और छात्रों से कहा गया कि आगे से आप इस कमेटी से अपने हितों को लेकर जुड़े रह सकते हैं। इस कमेटी में आईएएस अधिकारियों के अलावा छात्रों का भी एक प्रतिनिधि होगा। जांच होने तक यह कमेटी आपके लिए विश्वविद्यालय में कार्य करती रहेगी और छात्रों का किसी भी प्रकार का शैक्षणिक नुकसान नहीं होने देगी।

डीएसपी से माइक छीना, वीसी की गाड़ी पर किया पथराव : बेदी

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आंदोलन में यदि सभी पक्षों को देखा जाए तो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के घर पर भी पथराव हुआ है। वाइस चांसलर की गाड़ी को घेरा गया और डीएसपी तक से माइक छीन गया लेकिन कमेटी ने छात्रों की इन सभी बातों को अनदेखा करते हुए सकारात्मक ढंग से मांगे मानने की बात कही। इसके बावजूद आंदोलनकारी लोगों ने ना तो कमेटी की बात को माना और ना ही अपने पक्ष के प्राध्यापको की बात को भी सुना। विपक्षी दल अब आंदोलन को संचालित कर रहे हैं। इनके नेता संविधान का प्रतीक लेकर घूम रहे हैं लेकिन खुद संविधान और कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं क्योंकि किसी को भी बर्खास्त करने, गिरफ्तार करने, एफआईआर दर्ज करने या रद्द करने में संविधान संगत कारवाइयां होती हैं, जिसे विपक्षी पार्टियों के लोग मानने को तैयार नहीं। छात्रों का बेनवाश किया जा रहा हैं । विपक्षी उनके भविष्य को खराब कर रहे हैं। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि सरकार के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं।

वार्ता विफल : कुलपति को हटाने की मांग पर अड़े आंदोलनकारी विद्यार्थी

सरकार की कमेटी का जवाब- हमारे पास वीसी को हटाने की पावर नहीं, रिपोर्ट दे देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व सरकार की ओर से गठित कमेटी के बीच वार्ता विफल हो गई है। विद्यार्थी केवल एक ही मांग पर अड़े हैं कि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज को हटाया जाए जबकि सरकार द्वारा गठित कमेटी का कहना है कि तुरंत ऐसा किया जाना संभव नहीं है, हमारे पास पावर नहीं है, ऐसे कार्यों में समय लगता है, जिसकी कोई सीमा नहीं होती, हम रिपोर्ट दे देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर तीन मंत्रियों व एक विधायक के नेतृत्व वाली चार सदस्यीय कमेटी दो दिनों से आंदोलनकारी विद्यार्थियों से बातचीत कर रही है। शनिवार देर रात चली वार्ता में भी कोई सहमति नहीं बन पाई वहीं रविवार शाम को हुई वार्ता भी विफल हो गई। सरकारी ओर से गठित कमेटी ने आंदोलनकारी विद्यार्थियों से पूरा ब्यौरा लिया और उनकी मांगों बारे बातचीत की।

हिसार। सरकार की कमेटी से बातचीत करते आंदोलनकारी विद्यार्थी।

हिसार। सरकार की कमेटी से बातचीत टूटने के बाद बाहर आते विद्यार्थी।

यूनिवर्सिटी ने मांगे मानी

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी एवं विधायक रणधीर पनिहार के नेतृत्व में गठित कमेटी ने छात्रों से बातचीत की। मौके पर उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन व अन्य अधिकारी भी रहे। कमेटी ने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उनकी मांगे मान ली है। स्टाइफंड कम करने का फैसला वापिस ले लिया गया है, एलडीवी सीटें ज्यों की त्यों रख दी गई है। छात्रों की यूनिवर्सिटी से केवल ये दो ही मांगे प्रमुख थी, जो पूरी हो चुकी है। ऐसे में छात्रों को अपना आंदोलन वापिस ले लेना चाहिए। भले ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने आंदोलनकारी छात्रों की मांगे मान ली हो लेकिन वे इससे संतुष्ट नहीं है। अब विद्यार्थी मानी हुई मांगों के अलावा कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज को हटाने पर अड़े हैं। उनका कहना है कि कुलपति ने यहां का माहौल खराब कर दिया है। ऐसे में उनको तुरंत प्रभाव से हटाया जाए।

छात्रों ने दिया झगड़े और चोटों का ब्यौरा

सरकार की कमेटी के समक्ष छात्रों ने पिछले दिनों शुरू हुए आंदोलन, इस दौरान उन्हें लगी चोटों का पूरा ब्यौरा कमेटी के समक्ष रखा। छात्रों ने कहा कि अभी तक केवल एक असिस्टेंट प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया है, बाकी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस पर कमेटी सदस्यों ने कहा कि सब कार्य नियमानुसार होते हैं और किसी से अन्याय नहीं होगा।

वीसी को हटाने की एक प्रक्रिया

कमेटी का कहना है कि छात्रों की सभी मांगे मान ली गई है, मगर वीसी को हटाने की पावर उनके पास नहीं है। वीसी को हटाने की एक प्रक्रिया होती है। हम सरकार को छात्रों की बात से अवगत करवा देंगे लेकिन छात्रों के सामने झूठा वादा करके नहीं जा सकते कि कुलपति को हटा दिया जाएगा। कमेटी ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज है।

डीसी ऑफिस पर धरना

छात्रों की कमेटी व सरकार की कमेटी के बीच शनिवार को भी वार्ता चली लेकिन फैसला नहीं हो पाया। शनिवार देर रात 12 विद्यार्थियों का प्रतिनिधिमंडल उठकर बाहर आ गया लेकिन कमेटी ने दोबारा अंदर बुला लिया। इसी दौरान धरने पर बैठे छात्रों तक किसी ने मैसेज भिजवा दिया कि प्रशासन ने विद्यार्थियों को जबरन बैठा लिया है। इसके बाद सभी छात्र लघु सचिवालय पहुंचे गए और डीसी ऑफिस में कमेटी रूम के बाहर धरने पर बैठ गए। कुछ देर बात रात 11 बजे बैठक खत्म हो गई। छात्र डीसी ऑफिस से उठकर धरने पर चले गए।

छात्रों ने लगाया दबाव बनाने का आरोप

आंदोलनकारी छात्रों ने सरकार द्वारा गठित कमेटी पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। आंदोलन की अगुवाई कर रहे छात्रों ने बातचीत में कहा कि उन्हें तरह-तरह की बातें कहकर डराया जा रहा है कि यहां किसी को कुछ हो गया तो उनकी जिम्मेवारी होगी, उनकी पढ़ाई खराब हो रही है, वे आगे कैसे पढ़ पाएंगे, जैसी बातें करके उन पर दबाव बनाया जा रहा है।

स्थगित हुई परीक्षाएं आज व कल होंगी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं कोर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग का कहना कि विश्वविद्यालय द्वारा शुरू में विद्यार्थियों की जो परीक्षाएं स्थगित की गई थी वे अब 23 व 24 जून को आयोजित की जाएंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध करते हुए कहा है कि वे अपनी परीक्षाएं देने के लिए अवश्य आएं। इससे पहले अन्य विषयों की परीक्षाएं सुचारू रूप से हुई है।

गांव माजरा में युवकों ने हवाई फायर करके मचाई दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौद

■ मोटरसाइकिलों पर आए थे बदमाशों, पुलिस जांच में जुटी

क्षेत्र के गांव माजरा में एक युवक के मकान के पास हवाई फायर कर दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोली का एक खाली खोल बरामद किया है। मौके पर सीन ऑफ क्राइम की टीम ने भी पहुंचकर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन अभी तक इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। गांव माजरा में रविवार को गांव के ही एक युवक अनिल के घर के पास मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने हवाई फायर कर मौके से भाग गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से गोली का एक खाली खोल भी बरामद किया। सीने का क्राइम की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने अभी तक किसी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अभी तक कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लगा है और फायर करने के मामले में अभी तक किसी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मौके से गोली का एक खाली खोल भी मिला है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। इस मामले में जो भी आरोपित होंगे उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो लोगों को जमानत लेना महंगा पड़ा, अब जमीन कुर्क होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

अगर आप किसी मामले में किसी की जमानत ले रहे हैं तो आपको भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार जेल की हवा खानी पड़ सकती है तथा कई बार जमानत के पैसे भी चुकाने पड़ते हैं।

पैसे नहीं चुकाने पर आपकी जमीन कुर्क हो सकती है। इसी तरह का उदाहरण उसे समय देखने को मिला जब चुली कलां निवासी रणवीर सिंह तथा डोभी निवासी पूर्ण मल ने कोर्ट में चल रहे एक मामले में खैरमपुर निवासी राकेश की जमानत ली थी। उस वक्त कोर्ट ने एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया था लेकिन उसने जुर्माना नहीं भरा। कोर्ट ने जमानत लेने वालों पर एक लाख रुपये भरने के आदेश दिए लेकिन जुर्माना राशि न भरने पर अब दोनों जमानतियो की जमीन कुर्क करने के आदेश दिए हैं ताकि पैसै वसूले जा सके। इसी तरह एक एक्सीडेंट केस मे समय पर कोर्ट द्वारा लगाया गया 8 लाख 61 हजार 940 का जुर्माना न भरने पर बगला के बंसीलाल की भूमि भी कुर्क करने के आदेश दिए गए हैं।

खाली पड़ी सुंदर ब्रांच नहर में गिरा ट्रैक्टर नीचे दबने से मदनहेड़ी के किसान की मौत

■ गांव सिंघवा खास से मातों भैणी रोड पर हुआ हादसा

■ पुलिस ने जेसीबी की मदद से बिजेंद्र के शव को ट्रैक्टर के नीचे से निकाला

■ मृतक बिजेंद्र के दो बच्चे हैं वह खेती करके परिवार का पेट पालता था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे किसान को निकालती पुलिस।

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव सिंघवा खास से मातों भैणी रोड स्थित सुंदर ब्रांच नहर में रविवार सुबह ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौत हो गई। किसान की पहचान मदनहेड़ी निवासी 46 वर्षीय बिजेंद्र के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच जेसीबी की मदद से बिजेंद्र के शव को ट्रैक्टर के नीचे से निकाल पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बिजेंद्र शनिवार शाम को ट्रैक्टर लेकर खेतों की जुताई करने के लिए गया था। रविवार सुबह करीब सात बजे गांव वालों को सूचना मिली कि बिजेंद्र का ट्रैक्टर खाली नहर में गिरा हुआ है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने देखा गया कि ट्रैक्टर के नीचे एक व्यक्ति दबा हुआ है जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे बिजेंद्र के शव को बाहर निकाल मृतक के परिजनों को सूचित किया।

नागरिक अस्पताल में मौजूद मृतक के चाचा जगबीर ने बताया कि बिजेंद्र शनिवार शाम को खेतों की जुताई करने के लिए ट्रैक्टर लेकर घर निकला था, लेकिन देर रात तक वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने सोचा कि वह खेत में जुताई कार्य कर रहा होगा। उन्होंने बताया कि परिजनों को रविवार सुबह इस हादसे की खबर मिली। मृतक बिजेंद्र के दो बच्चे हैं और यह खेती करके अपने परिवार का पेट पालता था।

अभियान के तहत नर्सिंग कॉलेज में गूंजा नशा विरोधी संकल्प

300 से अधिक युवाओं ने ली नशा मुक्त भारत की शपथ

■ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशन में संपन्न हुआ सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

जीवन में सफल होने के लिए 'बैकगैर' होना जरूरी है इस प्रेरणादायक संदेश के साथ नेशनल नर्सिंग कॉलेज बरवाला में एक विशेष नशा विरोधी सेमिनार का आयोजन किया गया।

यह आयोजन भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत जिला प्रशासन हिसार के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 300 से अधिक नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने एक साथ खड़े होकर नशा से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

बरवाला। नशा मुक्त भारत की शपथ लेते नागरिक।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की वरिष्ठ अध्यापिकाओं निशा जगलान, मीनाक्षी और निधु ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन सविता एवं मीनाक्षी द्वारा किया गया। सेमिनार में सुकून काउंसलर एवं नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वालंटियर राहुल शर्मा ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा सोच, आत्मनियंत्रण और दिशा साफ हो तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता।

लेकिन नशा इंसान को धीरे-धीरे अंधकार की ओर ले जाता है। राहुल शर्मा ने युवाओं को नशे की शुरुआत के पीछे के कारण जैसे गलत संगत, सामाजिक दबाव और फैशन को समझाया और नशे के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनडीपीएस एक्ट, नशे से संबंधित दवाओं व इंजेक्शनों के दुरुपयोग और उससे जुड़ी कानूनी सख्ती के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने योग, प्राणायाम और अनुशासित जीवनशैली को अपनाने का संदेश दिया। सभी ने संकल्प लिया कि न नशा करेंगे न करने देंगे।

पीड़ितों को परामर्श व सहायता देते हैं

राहुल शर्मा ने हरियाणा स्टेट हेल्थ रिसोर्स सेंटर, पंचकूला द्वारा स्थापित 'सुकून केंद्र' की जानकारी साझा की, जो महिला व बाल अपराध पीड़ितों को मानसिक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराता है। सेमिनार में पुलिस विभाग की ओर से सब इंस्पेक्टर हवा सिंह, सुमन और संदीप कुमार ने भाग लिया। उन्होंने 26 जून तक चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान पखवाड़ा की जानकारी दी तथा बरवाला क्षेत्र में नशा पीड़ितों के लिए चलाए जा रहे विशेष उपचार शिविरों की जानकारी भी दी। इस मौके पर अध्यापिका प्रियंका, निशा, सुनैना, सविता, रुचि, प्रवीण, जागृति, गुलशन, शोभिता, सीमा, मनीषा, सोनू, नीतू, सोनिया, अनुष्का, कृष्णा, दीक्षा, अंजलि एवं अन्य शिक्षिकाएं तथा नर्सिंग छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

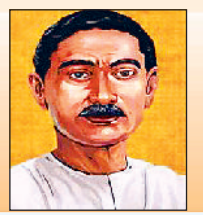

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॉरीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं।

"अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी जिंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता

अरुण आशरी

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे ,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीँ बनाता था ।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है ।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है ,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है ।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत

डॉ . पंकज गौड़

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा

सविता गोयल

तपन

का, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे ।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है । पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है । दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा । बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी। , कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े ।

कविता

राजेश 'भारती'

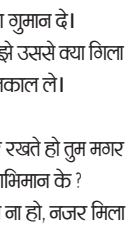

रोटी का हिस्सा

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृति अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द्र मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा

सुशील सैनी

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

13 विद्यार्थियों इंटर्नशिप के लिए चयन

हिसार। जिंदल स्टील एंड पावर कंपनी द्वारा हाल ही में आयोजित चयन प्रक्रिया में यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के 13 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इस प्रक्रिया में 13 विद्यार्थियों ने ही आवेदन किया था और सभी को सफलतापूर्वक इंटर्नशिप के लिए चयनित किया गया है। चयनित विद्यार्थी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मिले। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों को उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

हिसार। मुख्य अतिथि पद्मश्री आर्य रत्न पूनम सूरी का स्वागत करते महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह।

युवाओं को चरित्रवान बनाते हैं संस्कार : पूनम

हिसार। 'संस्कृति की जड़ें जितनी गहरी होती हैं, विकास उतना ही स्थायी होता है।' इसी को सार्थक करते हुए दयानंद कॉलेज में आयोजित बहुप्रतीक्षित हीरक जयंती समारोह का दूसरा दिन रविवार को पारंपरिक गरिमा और वैदिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन दयानंद महाविद्यालय की न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव रहा बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति भी रहा। दयानंद महाविद्यालय के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में मनाई जा रही हीरक जयंती समारोह के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि पद्मश्री आर्य रत्न पूनम सूरी और श्रीमती मणि सूरी का महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने स्वागत से हुई। पद्मश्री आर्य रतन पूनम सूरी ने अपने संबोधन में महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, अनुशासन और शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की।

राजबीर कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला प्रधान बने

हिसार। रोडवेज कर्मचारी यूनियन एवं हरियाणा कर्मचारी महासंघ के पूर्व जिला प्रधान राजबीर सिंधु को लगातार दूसरी बार इनेलो कर्मचारी प्रकोष्ठ का जिला प्रधान बनाया गया है। राजबीर सिंधु ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, राष्ट्रीय सचिव चत्तर सिंह स्याहड़वा, भूपेंद्र कस्वां (दरियापुर), जिलाध्यक्ष सतपाल काजला व पूर्व जिलाध्यक्ष सतबीर सिसाय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है वो उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और कर्मचारियों को पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे। राजबीर सिंधु ने छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि 24 जून को छात्र महापंचायत में भाग लेंगे।

गुरुकुल कुंभाखेड़ा में व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण शिविर का समापन

विद्यार्थियों ने दिखाए करतब, अतिथियों ने किया सम्मानित, छात्र बोले- बहुत कुछ सीखा

■ गुरुकुल व आर्य समाज में चरित्रवान युवाओं का निर्माण होता है : जगबीर फौजी

अतिथियों ने कहा नवयुवकों के कंधों पर देश का भविष्य निर्भर है। उन्होंने कहा कि समाज तथा राष्ट्र को गुरुकुलों तथा आर्य समाज की नितांत आवश्यकता है। लगातार पतित हो रहे समाज को इसी प्रकार की संस्थाएं सही दिशा और सही मार्ग का ज्ञान दे सकती है। आर्य समाज का युवा संगठन आर्य वीर दल युवाओं के भविष्य के निर्माण का पुनीत एवं पवित्र कार्य कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चों को इस प्रकार की संस्थाओं से जोड़ना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। कार्यक्रम प्रस्तुत करते गुरुकुल के विद्यार्थी व उन्हें सम्मानित करते आचार्य एवं अतिथि। फोटो :हरिभूमि

गुरुकुल कुम्भाखेड़ा में आयोजित आठ दिवसीय व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण शिविर रविवार को सम्पन्न हो गया। समापन कार्यक्रम में मतलोढा के सरपंच जगबीर फौजी मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि सरपंच जगबीर फौजी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुकुल व आर्य समाज वह फैक्ट्री है, जहां से चरित्रवान, बलिष्ठ, संस्कारवान तथा अनुशासित युवकों का निर्माण होता है। इन्हीं तपे हुए नवयुवकों के कंधों पर देश का भविष्य निर्भर है। उन्होंने कहा कि समाज तथा राष्ट्र को गुरुकुलों तथा आर्य समाज की नितांत आवश्यकता है। लगातार पतित हो रहे समाज को इसी प्रकार की संस्थाएं सही दिशा और सही मार्ग का ज्ञान दे सकती है। आर्य समाज का युवा संगठन आर्य वीर दल युवाओं के भविष्य के निर्माण का पुनीत एवं पवित्र कार्य कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चों को इस प्रकार की संस्थाओं से जोड़ना चाहिए। शिविर के समापन समारोह के अध्यक्ष एवं गांव कुम्भाखेड़ा के सरपंच विनोद जागलान ने गुरुकुलों के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुकुल सदा से ही शिक्षा, सदाचार और संस्कार के केंद्र रहे हैं। गुरुकुलों ने सदैव समाज तथा राष्ट्र को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कुम्भाखेड़ा हमारे गांव की आन, बान, शान है तथा गुरुकुल कुम्भाखेड़ा से गांव की देश भर में पहचान है। गुरुकुल के संचालक आचार्य आत्मप्रकाश जी के नेतृत्व में हमारा गुरुकुल निरन्तर युवाओं के निर्माण का कार्य कर रहा है। उन्होंने गुरुकुल को हरसंभव सहयोग का भी आश्वासन दिया। गुरुकुल के संचालक आचार्य आत्मप्रकाश शिविर में भाग ले रहे सभी शिविरार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्हें देश रक्षा व समाज हित में कार्य करने का संकल्प करने के लिए प्रेरित भी किया। आर्य वीर दल जीन्द के मंत्री यज्ञवीर आर्य ने कहा कि समाज में संस्कार-विहीनता एक बहुत बड़ी खतरे की तरह दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। आर्य वीर दल के पास ही इस समस्या का समाधान है जो युवाओं का चरित्र निर्माण कर सकता है और उन्हें सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है।शिविर संयोजक आचार्य मनीष आर्य ने कहा इस प्रकार के चरित्र निर्माण शिविरों के लिए प्रत्येक व्यक्ति को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। निराश होते जा रहे समाज के लिए इस प्रकार के शिविर उम्मीद की नई किरण जागते हैं। इस किरण को न बुझने देना हम सब की जिम्मेदारी है और हमें अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन अवश्य करना चाहिए। समापन समारोह में शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने आर्य वीर दल के व्यायाम शिक्षक सत्यम आर्य तथा पवित्र आर्य के मार्गदर्शन में भव्य व्यायाम प्रदर्शन किया। उन्होंने लाठी, कराटे, डंबल तथा योग के विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को लोगों के सामने प्रदर्शित किया। इस अवसर पर शारीरिक व बौद्धिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले, पूर्णतया अनुशासित रहने वाले व सेवाकार्य में सहयोग करने वाले शिविरार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर गुरुकुल कुंभाखेड़ा के सचिव सुरेंद्र पूनिया, ईश्वर सिंह मतलौढा, होशियार सिंह कुम्भाखेड़ा, विपिन आर्य, गुरुकुल के कबड्डी कोच मनजीत आर्य, गुरुकुल के अध्यापकों सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में उपस्थित साधक।

योग परमात्मा से मिलन का मार्ग : स्वामी संजय

■ योगा व मेडिटेशन के सत्र में साधकों ने योग व ध्यान का किया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओशो ध्यान उपवन में योगा व मेडिटेशन पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लेकर योग क्रियाएं की और ध्यान का अभ्यास किया। इस दौरान मां सांची ने ध्यान की विभिन्न सरल विधियों से भी परिचय करवाया। इस अवसर पर ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि यह तो आत्म-साक्षात्कार और परमात्मा से मिलन का मार्ग है।

दरअसल यह गहरी आध्यात्मिक यात्रा है जो इंसान में जागरूकता लाते हुए अपने भीतर गहरे उतरने का मार्ग प्रशस्त करती है। स्वामी संजय ने बताया कि अधिकतर लोग योग को केवल व्यायाम तक सीमित कर लेते हैं। असलियत तो यह है कि योग क्रियाओं से इंसान स्वस्थ रह सकता है लेकिन योग के सही मायने समझकर वह परम आनंद की प्राप्ति कर सकता है। उन्होंने कहा कि योग ऐसी प्रक्रिया है जो ऊर्जा को जगाती है और मन को शांत करते हुए ध्यान के माध्यम से जागरूकता लाती है। उन्होंने बताया कि सतगुरु ओशो ने योग को शुद्ध विज्ञान माना है। स्वामी संजय ने बताया कि ओशो ने समझाया है कि योग का अर्थ उस आयाम में विकसित होना है, जहां कोई वस्तु नहीं है और केवल चेतना ही शेष है।

योग शुद्ध चेतना की ओर विकसित होने की विधि है, किसी चीज के प्रति सचेतन न होना, बल्कि स्वयं चेतना होना है। ओशो के अनुसार योग का अर्थ है वर्तमान क्षण में जीना, किसी भी उम्मीद या भविष्य की योजना के बिना और वास्तविकता को उसी रूप में स्वीकार करना जैसा वह है। ओशो योग को एक आंतरिक मोड़ या पूर्ण उलटफेर के रूप में परिभाषित करते हैं, जो भविष्य या अतीत की ओर जाने की अपेक्षा व्यक्ति को अपने भीतर की ओर ले जाता है। ओशो ने कहा कि योग एक धर्म नहीं है बल्कि एक शुद्ध विज्ञान है, जो आंतरिक अस्तित्व का शुद्ध गणित है।

गांव किरतान में पौधरोपण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। किरतान में पौधरोपण करते क्लब पदाधिकारी एवं अन्य ग्रामीण।

जिले के गांव किरतान में विश्व वर्षावन दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम चलाया गया। यह कार्यक्रम आजाद हिंद युवा क्लब किरतान और मेरा युवा भारत हिसार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने बताया कि वृक्ष एक अनमोल प्राकृतिक सम्पदा है। यह पृथ्वी का गहना है, वृक्ष है तो जल है और जल ही जीवन है। वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए। ये हमारे जीवन में फल, फूल, छाया, ऑक्सीजन और लकड़ी देते हैं। जितना पेड़ ये देते हैं इतना और कोई नहीं देती। उन्होंने कहा कि आज जो प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं, पर्यावरण बिगड़ रहा है, प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है और ग्लोबल वार्मिंग जैसी स्थितियां आ रही है, ऐसे में पौधरोपण करना बेहद जरूरी हो गया है। हर व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए और पौधे रोपकर उसकी नित्य देखभाल करनी चाहिए ताकि हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण दे सकें। अपने माता पिता, बड़े बुजुर्गों के नाम पर पौधे लगाएं। इस अवसर पर मुकेश किरतान, प्रोमिल आर्य, मोहित, राजपाल, राजेश सिहाग, धर्मसिंह, कुलदीप, अनामिका, मुस्कान, मंजू, अर्पित, महक आदि मौजूद थे।

शिक्षण संस्थान, मंदिर गुरुद्वारा साहिब के पास ठेका नहीं खुलने देंगे

हिसार। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के सदस्यों ने गुरुद्वारा के प्रांगण में बैठक करके उपायुक्त को ज्ञापन सोंपा है। ज्ञापन में सदस्यों ने नागोरी गेट के पास शराब का ठेका खोलने की आशंका को लेकर उसमें लिखा की उस स्थान के नजदीक नागोरी गेट मंदिर, जैन मंदिर, गुरुद्वारा साहिब लड़कियों का स्कूल व लाइब्रेरी पड़ती है जबकि सरकार का नियम है की शिक्षण संस्थान व धार्मिक स्थान के 100 मीटर के दायरे में शराब का ठेका नहीं होना चाहिए। इसको लेकर सभी सदस्यों में व साध संगतों में कड़ा रोष है। ऐसे पवित्र वातावरण में शराब का ठेका खुलना धार्मिक भावनाओं को आहत करता है।

बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं : मीनू

■ निरंकारी बाल समागम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। निरंकारी भवन में बच्चों को संबोधित करती समागम अध्यक्ष मीनू।

सुभाष नगर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को निरंकारी बाल समागम आयोजन किया गया। इस समागम में जिले भर से लगभग 300 बच्चों ने भजन, गीत, कविता, नाटक व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मिशन का संदेश दिया। बाल समागम की अध्यक्षता करते हुए मीनू ने कहा कि आज के बच्चे हमारे समाज के कल का उज्जवल भविष्य हैं। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं उन्हें जिस माहौल में ढाला जाता है वैसे ही बन जाते हैं। बच्चों को बचपन में जो सिखाया जाता है वह उन्हें हमेशा याद रहता है। उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन के ये बच्चे जो कुछ भी सत्संग में सीख रहे हैं यह उनके व्यवहार में बस जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें मर्यादा व अनुशासन में रहकर जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं का जिक्र करते हुए बताया कि मनुष्य जन्म बहुत ही अनमोल है हमें व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए बल्कि सत्संग-सेवा-सिमरन में लगाना चाहिए। मीनू ने कहा कि बच्चों के मन निर्मल होते हैं।

हिसार। योगा दिवस के आयोजन में उपस्थित आईएमए पदाधिकारी व सदस्य।

आईएमए ने किया योगा दिवस का आयोजन

हिसार। आईएमए हिसार की ओर से योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया। पदाधिकारियों एवं अन्य चिकित्सकों ने इस अवसर पर योग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉ. अमर ठकराल, डॉ. केवी सिंह, डॉ. साकेत शर्मा, डॉ. सुनील कुमार सैनी, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. अनुपम जांगड़ा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विजय सिंह, डॉ. कविता नारंग, डॉ. गौरव मुंजाल, डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. राजेंद्र सेतिया, डॉ. पुनीत मक्कड़, डॉ. वर्षा मक्कड़, डॉ. मीनाक्षी असीजा, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. प्रदीप गोयल, डॉ. आशुतोष वशिष्ठ, डॉ. विकास जटासरा, डॉ. अश्विनी खेतान, डॉ. सुरेन्द्र वधवा, डॉ. रमणीक गर्ग व डॉ. सीमा गर्ग सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बच्चों का अध्यात्मिक ज्ञान देख प्रभावित हुए मेयर प्रवीण

■ बच्चों ने कंठस्थ सुनाये भजन, हनुमान चालीसा व दोहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। हनुमान मंदिर, जवाहर नगर में आयोजित अध्यात्मिक शिविर में हनुमान चालीसा गाते हुए बच्चे।

जवाहर नगर स्थित श्रीरामभक्त हनुमान मंदिर में ग्रीष्म अवकाश के चलते मंदिर प्रांगण में एक माह के लिये पूरी तरह अध्यात्म पर आधारित चल रहे अध्यात्मिक शिविर में बच्चों की एक्टिविटी देखने के लिये नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली पहुंचे। उन्होंने जैसे ही मंदिर में प्रवेश किया उपस्थित लगभग 70 बच्चों ने ऊंचे स्वर में राम राम जी बोलकर उनका अभिनंदन किया। मेयर प्रवीण पोपली ने बच्चों का अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्हें राम राम बोलकर जवाब दिया। मेयर व मंदिर प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति में बच्चों ने पिछले 20 दिनों में जो सीखा, उसे कंठस्थ बोलकर सुनाया। प्रियांशी, अंजनी, सानवी, आदविक, पार्थ ने माइक पर हनुमान चालीसा बोलकर सुनाया। सभी बच्चों ने तालियों का साथ देते हुए पीछे-पीछे गुनगुनाया। वैष्णवी ने रामयण की चौपाईयां गाकर सुनाई। अंजना ने भजन मेरी चौखट पर चलकर आना.. .. सुनाया तो शिवाय व कविश गांधी ने अच्युतम केशवम.. ..सुनाया। छोटी बच्ची कामना ने सभी परिवारजनों को संबोधन करते हुए राम राम जी करना सिखाया। हुनर छाबड़ा, चारवी ग्रोवर, नायरा, स्तुति ने गायत्री मंत्र व महामंत्र प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। हार्दिक अरोड़ा, आदविक, अंश ठकराल, मन्नत, पर्व ने सूर्य नमस्कार किया। पांच से बारह वर्ष तक के बच्चों की अध्यात्मिक एक्टिविटी देखकर मेयर प्रवीण पोपली खूब प्रभावित हुए। शिविर में भाग ले रहे बच्चों को संबोधित करते हुए मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि हमें बड़ों का आदर करना चाहिये। शिविर में डॉ. सुनीता यादव के नेतृत्व में बच्चों को अच्छे संस्कारों की शिक्षा दे रहीं इशु व एकता रेवड़ी के प्रयासों की सराहना करते हुए मेयर ने कहा कि मोबाइल से दूर रहकर डेढ़ घंटा रोजाना इस शिविर में भाग लेकर बच्चे जीवन में आगे बढ़ने के गुर सीख रहे हैं। इस अवसर पर प्रधान इन्द्रचंद राठी, महासचिव के.के. सेहरा, कोषाध्यक्ष भगतचंद महता, प्रीतम छाबड़ा, हरबंस ग्रोवर, मोहित गांधी, विरेन्द्र तनेजा, विनोद बिश्नोई एडवोकेट, सुनील यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

आयोजनों में रोडवेज बसों को ले जाना गलत जनता होती है परेशान : यूनियन

■ चालकों-परिचालकों के रुकने व खाने-पीने की व्यवस्था भी नहीं होती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने विभिन्न कार्यक्रमों के बहाने रोडवेज बसों को ले जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूनियन का कहना है कि रोडवेज बसों को किसी आयोजन में ले जाने से यात्रियों को परेशानी होती है और बसों की कमी से परेशान यात्री रोडवेज के चालकों व परिचालकों से झगड़ा करते हैं, जो उचित नहीं है। रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह, महासचिव जयबीर घणघस, कार्यकारी प्रदेश प्रधान अनूप लाठर, हिसार डिपो प्रधान राजबीर दूहन व सचिव संदीप गोयत ने संयुक्त बयान में कहा कि पिछले लगभग दो वर्षों से हरियाणा सरकार द्वारा अलग अलग तरह के कार्यक्रमों, सम्मेलनों और जयंती समारोह में भाग लेने वाले लोगों को लाने व ले जाने के लिए हरियाणा रोडवेज की बसों का प्रयोग किया जा रहा है। इस कारण प्रदेश की जनता को बस सुविधा से वंचित होना पड़ता है और उनको अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हरियाणा रोडवेज की बसों को गरीब का रथ कहा जाता है और इस तरह के कार्यक्रमों में उसी गरीब जनता को परिवहन सुविधा से वंचित होना पड़ता है। राज्य परिवहन की बसों में आमजन, छात्र, छात्राएं, महिलाएं और वृद्धजनों को सफर करना होता है और जब उनको बस स्टेंड पर आकर पता चलता है कि उनकी मार्गों की बसें नहीं जाएंगी। इसके अतिरिक्त हरियाणा रोडवेज की जो बसें इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए कार्यक्रम से पूर्व की संध्या को ही उनके स्थान पर भेजी जाती हैं, वहां चालक और परिचालकों के ठहरने और खाने पीने की व्यवस्था नहीं होती।

अब आर्थिक संसाधनों के अभाव में नहीं रुकेगी सपनों की उड़ान

बहबलपुर में युवाओं को सीईटी की कोचिंग देगा राह ग्रुप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आर्थिक संसाधनों की कमी के चलते हरियाणा सीईटी की कोचिंग न ले सकने वाले जरूरतमंद 101 होनहार विद्यार्थियों को राह ग्रुप फाउंडेशन नाम मात्र दर पर विशेष कोचिंग की सौगात देगा। इस सुपर-101 बैच (टारगेट सरकारी नौकरी) कोचिंग के लिए प्रतिभावान विद्यार्थियों का पंजीकरण 25 से 30 जून तक हो सकेगा। उसके बाद बहबलपुर- बाड्डो-पट्टी बस स्टेंड पर ग्रामीण बैंक के ऊपर विद्यार्थियों को एक जुलाई से कोचिंग दी जाएगी। राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ एवं सीईटी प्रोजेक्ट इंचार्ज आरवी सर ने बताया कि विशेष कोचिंग योजना के तहत हरियाणा स्टाफ सलेक्शन (एचएसएससी) से जुड़ी ग्राम सचिव, पटवारी, क्लर्क, ड्राइवर, ग्रुप डी, कंडक्टर एवं इंस्पेक्टर जैसे पदों की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए विशेष कोचिंग दी जाएगी। इसके लिए आवेदकों को शिक्षा एवं पहचान से संबंधित कागजात ऑफलाइन जमा करवाने होंगे। आमतौर पर सीईटी की कोचिंग के लिए औसतन 15 से 20 हजार रुपये अदा करने पड़ते हैं। इतनी बड़ी रकम गरीब विद्यार्थियों के लिए बहुत अधिक मायने रखती है। इसी को ध्यान में रखते हुए राह संस्था ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए यह बड़ी शुरुआत की है। यहां पर तलवंडी राणा, बहबलपुर, बाडो-पट्टी, जुगलान, धान्सू, खेड़ी बर्की, राजली, धिकताना, बुगाना, सरसौद, बिछपड़ी, जेवरा व आस-पास के ग्रामीण युवाओं को नाममात्र लागत पर ही विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। इस परियोजना में सीईटी से संबंधित पदों को फोकस करके इसके पेपर स्टाईल के अनुभव के साथ-साथ ओएमआर भरने व शॉर्टकट मैथ्थड़ की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। परीक्षा की तैयारी को लेकर किसी भी प्रकार की कमी ना रहे इसके लिए हिसार शहर से विशेष स्टाफ भी हायर किया जाएगा।

सुबह या शाम के बैच में लगेगी कक्षाएं

सुपर-101 बैच (टारगेट सरकारी नौकरी) के प्रोजेक्ट इंचार्ज आरवी सर के अनुसार परीक्षा के लिए 1 जुलाई से सुबह नौ बजे से ही नियमित कक्षाएं लगेगी। जिसमें सुबह सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक पहले बैच, एवं उसके बाद दोपहर 2 से शाम छह बजे तक दूसरे बैच की कक्षाएं लगेगी।

ये होगा चयन का आधार

राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ व सुपर-101 बैच (टारगेट सरकारी नौकरी) के प्रोजेक्ट इंचार्ज आरवी सर के अनुसार इस बैच में किसी जाति, धर्म या लिंग को कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। इसमें संस्था की तरफ से तय मौखिक टेस्ट पास करने वाले विद्यार्थियों को ही इस बैंच में शामिल किया जाएगा। साथ ही आवेदक की आर्थिक स्थिति को भी देखा जाएगा। अधिक आवेदन होने की स्थिति में तय कोचिंग केन्द्रों पर पांच फीसदी सीटें विधवा/तलाकशुदा महिलाओं या बेसहारा लड़कियों एवं अनाथ युवकों व युवतियों के लिए आरक्षित होगी।

खबर संक्षेप

हरियाणा राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन

हिसार। हरियाणा राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए हिसार जिला की टीम का चयन सेक्टर 16-17 स्थित स्माल वंडर स्कूल में किया गया इस अवसर पर लड़के व लड़कियों के मुकाबले करवाए गए। इस अवसर पर स्माल वंडर स्कूल के डायरेक्टर विनोद कुमार अरोड़ा प्रिंसिपल कमलेश भाकर ने बच्चों को आशीर्वाद दिया व प्रतियोगिता के शुभारंभ के लिए प्रसिद्ध समाजसेवी त्रिलोक शर्मा नियाणा व वरिष्ठ अतिथि के तौर पर संजय जांगड़ा डीपी राजकीय हाई स्कूल धांसू और वरिष्ठ स्थिति के तौर पर मुकेश कुमार एडवोकेट पहुंचे।अध्यक्ष एडवोकेट नीरज वर्मा, सचिव सुरेश गिल व आयोजन अध्यक्ष संदीप सिंगला ने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दे युवक के खाते से निकाले 1.29 लाख

हांसी। साइबर ठगों ने उपमंडल के गांव सुल्तानपुर निवासी एक युवक को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 1.29 लाख रुपए की चपत लगाने का मामला प्रकाश में आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी विकास की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में युवक विकास ने बताया कि वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है और उसने एक्सिस बैक से क्रेडिट कार्ड बनवाया हुआ है। उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट 1.68 लाख रुपये है। उसने अपने क्रेडिट कार्ड कि लिमिट बढाने के लिए बैंक को आनलाइन अप्लाई किया हुआ था। विकास ने बताया कि उसके पास 30 मई को उसके पर मोबाइल पर अज्ञात नंबर से फोन आया और और फोन करने वाले ने कहा कि वह एक्सिस बैंक से कर्मचारी बोल रहा है।

शहर को बनाया जाएगा जाम मुक्त, नहीं होगा किसी का नुकसान

हिसार के चारों ओर रिंग रोड बनाने की योजना पूरी : रणबीर गंगवा

मंत्री गंगवा ने कार्यक्रम में दिया गुरु दक्ष जयंती समारोह का आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि हिसार को जाम मुक्त शहर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा हैं। साथ में यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इस योजना से किसी व्यापारी या दुकानदार को नुकसान ना हो और शहर की सुंदरता भी बरकरार रहे। इसी कड़ी में हिसार के चारों ओर रिंग रोड बनाने की योजना लगभग पूरी हो चुकी है।

रणबीर गंगवा रविवार को कुम्हार धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों से वार्ता हो चुकी है। इसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग की भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से बात पूरी हो गई है और योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके तहत राजगढ़ रोड से तलवंडी मार्ग को रिंग रोड के माध्यम से जोड़ा जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हाल ही में अमृत योजना के तहत हिसार के लिए ढाई सौ करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। इससे जहाजपुल व गंगवा रोड पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा मूलभूत आवश्यकताओं संबंधी अन्य कार्य किए जाएंगे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार से अनुमति व अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है और अब जल्द ही हिसार से सालासर धाम के लिए भी हेलीकाप्टर सेवा शुरू की जाएगी।

हिसार। कुम्हार धर्मशाला में कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री रणबीर गंगवा।

आयोजनों से बढ़ता सहयोग व भाईचारा

मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की एकता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को बल मिलता है, जो समावेशी विकास का आधार बनते हैं। धर्मशाला में बैठक के दौरान समारोह के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे परिवहन, भोजन, ठहराव और मंच सज्जा आदि की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएगी ताकि कोई असुविधा न हो और समारोह की गरिमा बनी रहे।

समाज के लोगों को दिया दक्ष जयंती का

तत्पश्चात कुम्हार धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा संतों व महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया जा रहा है, जो समाज में उनकी शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछली बार राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह हिसार में भव्यता के साथ मनाया गया था और अब यह कार्यक्रम भिवानी में होने जा रहा है। उन्होंने राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह के लिए समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रण दिया और अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में भाग लेकर गुरु परंपरा की गौरवगाथा को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर धर्मशाला परिसर में उपस्थित गुरुभक्तों के साथ समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समाज के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कैबिनेट मंत्री का धन्यवाद किया और भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा, कुम्हार महासभा के प्रधान शेरसिंह, महासचिव कृष्ण गंगवा, कोषाध्यक्ष ओपी बगला, घड़सी राम, मनोहर लाल, महेंद्र गंगवा, भरत सिंह, कृष्ण आयतान, रामकुमार जाखड़, भजनलाल सरपंच, ओपी मालिया पार्षद, सरपंच भगवान राम सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पीएम मोदी ने भारत को विश्व में किया गौरवान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

केंद्र में भाजपा सरकार व प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल पूरे होने पर संकल्प से सिद्धी कार्यक्रम शक्ति केन्द्र स्तर पर किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गये कार्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य व शक्ति केन्द्र प्रमुख अशोक कनौजिया ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के 11 सालों के शासन में देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हुआ है, जिससे प्रत्येक देशवासी अपने आपको गौरवान्वित महसूस करता है। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष व मुख्य वक्ता तनुज खुराना ने कहा कि आज नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में गरीब, मजदूर, किसान, नौकरीपेशा, दलित एवं पिछड़े वर्ग के लोग चैन एवं सम्मानपूर्वक अपना जीवन-यापन कर रहे है।इस अवसर पर पार्षद सुनील सैनी (मंत्री), संदीप सैनी, विक्रम ढींगरा, संजय जैन, पवन कुमार, सुमित खुराना, मदन लाल, रामचन्द्र सैनी, अशोक कुमार, मोनू एवं गुलाब सिंह आदि रहे।

हांसी। शक्ति केन्द्र पर कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेते अशोक कनौजिया

बढ़ती गर्मी व भरी उमस भी नहीं रोक पायी 'हमारा प्यार हिसार' के वॉलंटियर्स के जोश को

हिसार। हमारा प्यार हिसार के वॉलंटियर्स ने बढ़ती गर्मी और उमस के बावजूद पुष्पा काम्प्लेक्स के सामने वाली ग्रीन बेल्ट की सफ़ाई की व पिछले वर्ष लगाए गए पौधों की निराई गुड़ाई की। सभी पौधे अच्छी हालत में थे।'हमारा प्यार हिसार' इस ग्रीन बेल्ट के अलावा मॉडल टाउन व डाबड़ा चौक ग्रीन बेल्ट्स का भी रखरखाव नगर निगम के सहयोग से कर रही है। ग्रुप सदस्यों ने बैठने की कुर्सियों को भी ठीक किया और झुके हुए पेड़ों की टहनियों की पिराई की ताकि ग्रीन बेल्ट में दिन में आने वाले राहगीरों को कोई परेशानी ना हो। ग्रुप के इस कार्य में आस पास के राहगीरों ने भी साथ दिया और सराहना की।

नशे के खिलाफ 26 को निकलेगी पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए हिसार के अनाज मंडी पुलिस चौकी से कैंप चौक तक अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के मौके पर नशा मुक्त पदयात्रा 26 जून को हिसार में निकाली जाएगी। इसमें सैकड़ों युवा लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे।

नशा मुक्त युवा खेलोगे तो खिलोगे ट्रस्ट (एनजीओ) के प्रवक्ता डॉ. संदीप दांगी, वर्ल्ड नंबर वन रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज स्वीटी बूरा, पर्वतारोही व कल्पना चावला शौर्य अवार्ड मीनू कालीरावण, इंडियन कमांडो राजेश पूनिया, सेवानिवृत प्राचार्य मूर्ति अहलावत ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिसार से 26 जून को नशा मुक्त पदयात्रा की शुरुआत की जाएगी। यह यात्रा हिसार में दूसरे चरण में निकाली जा रही है। पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं को नशे से बचाकर उन्हें जागरूक कर खेलों की ओर ले जाना है। ट्रस्ट 5 वर्ष से देशभर में युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने का कार्य कर रहा है। पदयात्रा निकाल युवाओं को नशे से दूर रहने का प्रण लिया जाएगा। जब हम नशे के खिलाफ आवाज उठाने की शुरुआत घर से करेंगे तो धीरे-धीरे प्रदेश व देशभर में इस आवाज को बुलंद किया जाएगा और अगले 4 से 5 महीने में पूरे हिसार को कवर किया जाएगा, जिसमें स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटीज, स्पोर्ट्स अकैडमी, एजुकेशन इंस्टिट्यूट, गांव हर जगह नशे के खिलाफ प्रोग्राम रखे जाएंगे और नशे के खिलाफ इस मुहिम में एक बहुत बड़ा चेहरा बहुत बड़ा नाम कमिश्नर श्री अशोक गर्ग जुड़ गए हैं और इसके साथ ही इंडियन आर्मी, बीएसएफ और जितने भी सामाजिक संगठन है सब को नशे के खिलाफ इस मुहिम में जोड़ा जाएगा।

हिसार। पदयात्रा बारे जानकारी देते आयोजक। *फोटो : हरिभूमि*

विदेश जाने के इच्छुक व्यक्ति सरकार से मान्यता प्राप्त एजेंट से ही करें सम्पर्क : पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शिक्षा या काम करने के लिए विदेश जाने के इच्छुक लोग जागरूकता के अभाव में अक्सर फर्जी ट्रेवल एजेन्टों का शिकार बनकर अपनी जिंदगी भर की कमाई गंवा बैठते हैं। लोगों को ऐसे फर्जी ट्रेवल एजेंटों से सावधान रहने की जरूरत है। विदेश जाने के लिए वीजा लगवाने से पूर्व एजेंट के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंट की ही सेवाएं लें।यह बात पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने वीजा लगवाने के नाम पर बढ़ रहे धोखाधड़ी के मामलों के मध्येनजर लोगों को जागरूक करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक सम्पन्न प्रदेश है। यहां के लोगों की विदेश जाने की काफी इच्छा होती है। लोगों की इसी इच्छा का फायदा उठाकर फर्जी ट्रेवल एजेंट वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के द्वारा लोगों से सम्पर्क करते हैं। साइबर ठग ऐसे लोगों को अपने झांसे में फंसा लेते हैं जो लोग इनके द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित नकली यात्रा विज्ञापनों का जवाब देते हैं। इसके बाद इन नकली एजेंटों द्वारा तरह-तरह के लालच देकर लोगों से रुपए हड़प लिए जाते हैं। बहुत से मामलों मे ये एजेंट आम लोगों को अवैध तरीके से सीमावर्ती दुसरे देशों में भेज देते है जैसे कि अमेरिका जाने वालों को मैक्सिकों, क्यूबा आदि देशों व आस्ट्रेलिया जाने वालो को मलेशिया आदि देशों मे ले जाते है और वहां से जंगलों, समुन्द्री रास्तों, सड़क मार्ग द्वारा पैदल नावों, कन्टैनरों द्वारा गैर कानूनी तरीके से सीमा पार करवाते है। इस यात्रा के दौरान बहुत से लोगों की ठंड के कारण, जहरीले जानवरों के काटने से, नाव डुबने या कन्टैनर मे दम घुटने से मृत्यु हो जाती है।

एसपी अमित यशवर्धन।

फार्मेसी कॉलेज फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन, डॉ. सीपी गुप्ता बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

फार्मेसी कॉलेजों के हितों की रक्षा और उनके समुचित विकास के उद्देश्य से फार्मेसी कॉलेज फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन किया गया। इस अवसर पर एक ऑनलाइन मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें हरियाणा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटका, तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड सहित देशभर के राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में फेडरेशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से हिसार निवासी सीपी गुप्ता को राष्ट्रीय अध्यक्ष , टी. जयपाल रेड्डी (तेलंगाना), वासु राज (कर्नाटका), रामदास जोल (महाराष्ट्र), सतीश कुमार खोला (उतरांचल) को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा विजेंद्र कुमार नैन (हरियाणा), मनोज कुमार भाटी (उप्र), मनोज दास (ओडिशा) को महासचिव और विशाल अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) को कोषाध्यक्ष चुना गया।फेडरेशन ने देशभर के राज्यों से सेक्टर/रेजनल सदस्य भी नियुक्त किए हैं। इस नई कार्यकारिणी के गठन पर सभी सदस्यों ने डॉ. सीपी गुप्ता को अध्यक्ष बनने की बधाई दी और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा लागू की गई क्यूसीआई पॉलिसी का विरोध करते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए डॉ. गुप्ता को अधिकृत किया। इस नीति के तहत कॉलेजों को अपनी मान्यता या नवीनीकरण के लिए क्यूसीआई (भारतीय गुणवत्ता परिषद) से अनिवार्य रूप से निरीक्षण कराना होता है।

हिसार। सीपी गुप्ता

व्यापारी व जनता भय के साये में, सरकार विफल : गर्ग

- व्यापारी नेता ने बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है कि हरियाणा में व्यापारी, उद्योग व आम जनता भय के साए में जी रहे है। हरियाणा में हर रोज अपराधियों द्वारा फिरौती, मंथली, लूटपाट व हत्याओं की वारदातें खुलेआम हो रही है। सरकार हरियाणा मे अपराध को रोकने में पूरी तरह विफल सिद्ध हुई है।बजरंग गर्ग यहां व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में हरियाणा में बढ़ते अपराध पर गंभीर चिंता प्रकट की गई। बजरंग गर्ग ने कहा कि सोनीपत, जींद, कुरुक्षेत्र, हांसी, पिजौर, पलवल, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, नरवाना, करनाल, सिरसा आदि जगह पर व्यापारी व शराब कारोबारियों की हत्या करने, लूटपाट, फिरौती मांगने की वारदातें आम हो रही है। शराब, खनन, रेत व बिल्डर आदि काम करने वाले काम करने के ठेके लेते हुए डरते है। कोई भी टैंडर निकलता है उससे पहले अपराधियों का उन पर पैसे वसूली का फोन आ जाता है।

हिसार। व्यापारी प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग। फोटो : हरिभूमि

समाज के लोगों को दिया दक्ष जयंती का आमंत्रण

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार हरियाणा में कानून व्यवस्था को ठीक रखने में पूरी तरह विफल सिद्ध हुई है। अपराधी जेलों में बैठकर मोबाइल पर फिरौती व मंथली मांग रहे है और जेलों से ही अपनी गैंग चला रहे है। अपराधियों के पास जेलों में मोबाइल कहां से आए इसका मतलब यह है कि जेल प्रशासन अपराधियों से मिला हुआ है। कोई भी अपराधी जेल से मोबाइल करके फिरौती व मंथली मांगे तो सरकार को जेल प्रशासन के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार अगर अपराधी पर जेलों मे ही कंट्रोल कर लेगी तो काफी हद तक हरियाणा में अपराध पर अंकुश लग जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में खुलेआम नशे का व्यापार फल-फूल रहा है। सरकार को नशे के व्यापार को खत्म करने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाने चाहिए।

गांव गुराना का पवन बना प्रेरणा स्रोत

सफेद झींगा मछली पालन से कर रहा सालाना लाखों रुपये की कमाई

किसानों और युवाओं के लिए भी एक मिसाल कायम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपमंडल के गांव गुराना के किसान पवन कुमार ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, सही जानकारी और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर कोई भी व्यक्ति अपनी किस्मत बदल सकता है। पारंपरिक खेती से इतर पवन ने सफेद झींगा मछली पालन को अपनाकर न सिर्फ खुद को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों और युवाओं के लिए भी एक मिसाल कायम की है।

इसकी शुरुआत बेहद सरल, सहयोग भरपूर

पवन का कहना है कि झींगा पालन की शुरुआत करना बेहद आसान है। विभागीय अधिकारी सहयोग करते हैं और समय-समय पर तकनीकी जानकारियां, बीज, चारा एवं अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई जाती हैं। प्रशिक्षण शिविरों में मत्स्य पालकों को वैज्ञानिक पद्धतियों से मछली पालन सिखाया जाता है। इससे इस व्यवसाय में लोग अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

हांस। अपने फार्म हाउस पर पाली ग ई झींगा मछली दिखाता पवन कुमार।

प्रेरणा का स्रोत बन रहा है पवन

पवन कुमार आज न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त हैं, बल्कि वे अपने अनुभव और मार्गदर्शन से अन्य किसानों और युवाओं को भी प्रेरित कर रहे हैं। वे कहते हैं, कि जो भी युवा या किसान मेहनत करने को तैयार है, वह मछली पालन के जरिए बहुत आगे बढ़ सकता है। सरकार की योजनाएं हाथ थामने को तैयार हैं, बस जरूरत है शुरुआत करने की। जिला मत्स्य अधिकारी भीम सिंह बेनीवाल तथा हांसी के मत्स्य अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लागू की है। लोगों को इन योजनाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। इसमें विभाग द्वारा हर प्रकार की मदद उपलब्ध करवाई जा रही है।

सरकार की योजना बनी सहारा

प्रदेश सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही योजनाओं के अंतर्गत पवन कुमार को इस व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। खास बात यह है कि अनुसूचित जाति के लोगों तथा अन्य सभी जातियों की महिलाओं को सरकार की ओर से 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है, जिससे वे कम लागत में यह व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इनके अलावा अन्य लोग भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं उन्हें 40 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।पवन ने बताया कि एक हेक्टेयर जमीन पर सफेद झींगा पालन की शुरुआत की। शुरुआत में शंका जरूर थी, लेकिन सरकार द्वारा समय पर प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और अनुदान ने आत्मविश्वास बढ़ाया। आज 30 एकड़ क्षेत्र में मत्स्य पालन कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि एक हेक्टर क्षेत्र पर मत्स्य पालन करने से 8 से 10 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो जाती है।

कम लागत, अधिक मुनाफा

पवन बताते हैं कि झींगा की बाजार में जबरदस्त मांग रहती है। खासकर दिल्ली की मछली मंडियों में माल हाथों-हाथ बिक जाता है। कई बार व्यापारी यहां आकर भी मछली खरीद कर ले जाते हैं जिससे विपणन को लेकर कोई समस्या नहीं होती। आज पवन एक हेक्टेयर क्षेत्र से सालाना लगभग 10 लाख रुपये की आमदनी कर रहे हैं।

अस्पतालों के लिए एनएबीएच की मान्यता पर आईएमए की गुणवत्ता यात्रा

- जागरूकता कार्यक्रम जिंदल हॉस्पिटल में आयोजित, अस्पतालों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) हिसार द्वारा भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) एवं एनएबीएच के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिंदल हॉस्पिटल, हिसार में किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय अस्पतालों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर एनएबीएच की मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया, इसके लाभ और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की तकनीकी जानकारियां साझा की गईं। इसमें बताया गया कि एनएबीएच मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य सेवाएं मरीजों को सुरक्षित, सटीक और प्रभावी इलाज प्रदान करने में सहायक होती हैं, स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एनएबीएच मान्यता की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

इसमें दिल्ली टीम से अमन जैन, डॉ. नरेंद्र सैनी और सिद्धांत त्रिवेदी ने एनएबीएच मान्यता की प्रक्रिया, दस्तावेजीकरण, मूल्यांकन मानक और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में आईएमए हिसार की अध्यक्ष डॉ. रेनू भाटिया, उपाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर, सचिव डॉ. अर्चना सोनी और पूर्व राज्य अध्यक्ष डॉ. अजय महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों को गुणवत्ता के इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में जिंदल हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. रितु चोपड़ा, डॉ. प्रवीन मोंगा व डॉ. साहिल पोपली ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि एनएबीएच मान्यता से अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता, मरीज की सुरक्षा और सेवा में पारदर्शिता आती है।

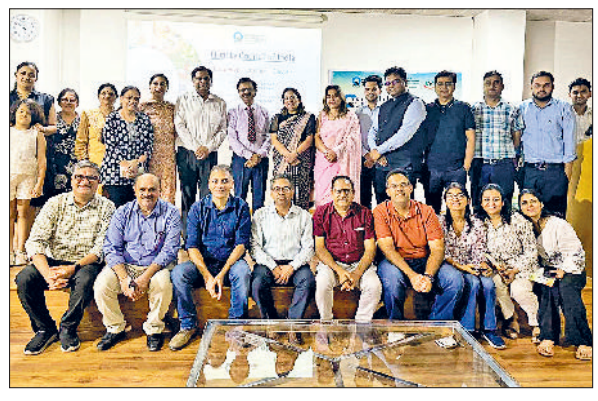

हिसार। जिंदल अस्पताल में आयोजित बैठक में उपस्थित आईएमए पदाधिकारी एवं अन्य चिकित्सक।